1984 में, भारत में स्थित भोपाल के संयंत्र से गैस की विमुक्ति एक भीषण त्रासदी थी। यह ध्यान में रखना महत्वपूर्ण है कि डाऊ न तो उस संयंत्र की कभी मालिक रही न ही उसने उसे चलाया। यह संयंत्र अब मध्यप्रदेष राज्य सरकार के नियंत्रण में है। डाऊ ने यूनियन कार्बाइड निगम के हिस्से इस त्रासदी के 16 वर्ष बाद, और भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अनुमोदित 47 करोड डॉलर का समझौता – जिसे यूनियन कार्बाइड निगम ने यूनियन कार्बाइड भारत, लिमिटेड, को चुकाया –हो जाने के 10 वर्ष बाद प्राप्त किए।(इस गैस त्रासदी के बारे में यूनियन कार्बाइड निगम के दृष्टिकोण के लिए, उसकी यह वेबसाइट देखें: www.unioncarbide.com/bhopal)

भोपाल त्रासदी के बारे में डाऊ केमिकल कंपनी का वक्तव्य

3 दिसंबर 1984 को रसायन उद्योग के इतिहास सर्वाधिक त्रासदीमय घटनाओं में से एक भोपाल, भारत में घटित हुई। इस उद्योग से जुड़े हम लोगों को वह दिन और उसके बाद के कुछ दिन अच्छी तरह याद हैं जब यूनियन कार्बाइड इंडिया लिमिटेड के स्वामित्व वाले और उसी के द्वारा चलाए जा रहे संयंत्र से छूटी गैस के प्रभाव से कई लोगों की मृत्यु हो गई अैर अन्य लोग घायल हो गए।

हालॉकी डाऊ कंपनी न तो इस संयंत्र की कभी मालिक रही और ना ही हमने उसे कभी चलाया – रसायन उद्योग की अन्य कंपनियों के साथ ही – हमने इस दुखद घटना से सीख ली है, और हर संभव प्रयास किया है कि इस तरह की घटनाएॅ फिर कभी न हों।

इसे सुनिष्चित करने के लिए, रसायन उद्योग ने भोपाल से सीखा है और आगे बढ़ा है, और – रिस्पांसिबल केयर (ज़िम्मेदारी पूर्ण देखभाल) कार्यक्रम स्थापित किया है, जिसमें रासायनिक प्रक्रिया के दौरान सुरक्षा मानदंडों, आपात स्थित के लिए तैयारी, और सामुदायिक जागरूकता पर ख़ास ध्यान दिया जाता है। इस उद्योग ने सरकारी नियामकों के साथ काम करके यह भी सुनिष्चित किया है कि कर्मचारियों और समुदायों की सुरक्षा के लिए उद्योग में प्रचलित श्रेष्ठ तौर–तरीके नियमों के माध्यम से लागू किए जाएॅ।

हालॉकि डाऊ किसी भी तरह से भोपाल त्रासदी के लिए ज़िम्मेदार नहीं है, फिर भी हमने रिस्पांसिबल केयर कार्यक्रम को लागू करने में अग्रणी भूमिका निभाई है, ताकि इस उद्योग में वैष्विक स्तर पर निष्पादन में सुधार लाया जा सके। रिस्पांसिबल केयर कार्यक्रम के मानदंड हमारे कर्मचारियों की तथा जिन समुदायों में हम रहते और काम करते हैं, उनकी सुरक्षा के लिए अत्यावष्यक हैं। विष्वभर में जहॉ भी हम कार्यरत हैं, वहॉ रिस्पांसिबल केयर कार्यक्रम को पूरी तरह से लागू करना हमारा प्रण है और प्रतिबद्धता भी।

भोपाल के बारे में अधिक जानकारी के लिए :

पूर्व भोपाल संयंत्र का स्वामित्व तथा संचालन यूनियन कार्बाइड इंडिया लिमिटेड (UCIL) द्वारा किया जाता था, जो एक भारतीय कंपनी थी, जिसमें यूनियन कार्बाइड निगम, भारत सरकार और निजी निवेषकों की साझी हिस्सेदारी थी। 1994 में, यूनियन कार्बाइड ने UCIL के अपने हिस्से बेच दिए और UCIL का नया नाम एवरेडी इंडस्ट्रीज़ इंडिया लिमिटेड (Eveready industries india, Ltd.) रखा गया, जो आज भी एक महत्वपूर्ण भारतीय कंपनी है। भोपाल के इतिहास के बारे में यूनियन कार्बाइड निगम की तरफ से अतिरिक्त जानकारी के लिए यह वेबसाइट देखें :
www.unioncarbide.com/bhopal

रेस्पांसिबल केयर कार्यक्रम के बारे में अधिक जानकारी के लिए www.responsiblecare.com या www.iccachem.org देखें